

सम्पूर्ण-संक्षिप्त-समर्थ

CURRENT AFFAIRS गुरु

UPSC/State PSC परीक्षा की तैयारी करने वाले हिंदी माध्यम के छात्रों के लिए



25th AUGUST 2022



FOR DAILY FREE CURRENT AFFAIRS
Follow Our Youtube Channel

 Guru Deekshaa Hindi



INDEX

DAILY CURRENT AFFAIRS NOTES

25th August 2022

1. - राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों के बारे में:	3
(i) एएसआई के बारे में:	3
2. - राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम का विवरण:	4
(i) 2013 राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए):	4
(ii) पात्रता:	4
(iii) लाभार्थियों की संख्या:	4
(iv) चाल के साथ समस्याएं:	5
3. - जी 20 के बारे में:	6
(i) के बारे में:	6
(ii) G20 की शुरुआत कैसे हुई?	6
(iii) G20 कैसे काम करता है?	6
(iv) G20 के सदस्य कौन हैं?	6
(v) G20 की संरचना और कार्य क्या हैं?	7
(vi) G20 के आंतरिक और बाह्य सहयोग के बारे में क्या?	7
(vii) G20 किस प्रकार के मुद्दों को संबोधित करता है?	7
(viii) G20 की ताकत और उपलब्धियां क्या हैं?	8
(ix) G20 को किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है?	8
(x) आगे का रास्ता:	9
4. - यक्षगान का विवरण:	10



संपादकीय विश्लेषण..... 11

1. सिविल सेवा सुधार:..... 11

- (i) भारतीय सिविल सेवा का विकास:..... 11
- (ii) भारतीय सिविल सेवा की समस्याएं 11
- (iii) नियामक नौकरशाही:..... 11
- (iv) क्या किये जाने की आवश्यकता है:..... 12
- (v) भर्ती:..... 12
- (vi) प्रशिक्षण: 12
- (vii) मूल्यांकन: 13
- (viii) ई-पहल: 13

2. भारत का तापीय विद्युत क्षेत्र:..... 14

- (i) भारत में ऊर्जा क्षेत्र के संबंध में:..... 14
- (ii) ऊर्जा स्रोतों:..... 14
- (iii) समस्याएं और बाधाएं:..... 14
- (iv) सरकारी पहल:..... 14
- (v) कैसे जारी रखें:..... 15

GURU DEEKSHAA IAS



1. - राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों के बारे में:

जीएस आई

विषय→कला और संस्कृति से संबंधित मुद्दे

- प्राचीन स्मारक और पुरातत्व स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 एक प्राचीन वस्तु को किसी भी इमारत, मूर्तिकला, शिलालेख आदि के रूप में परिभाषित करता है जो लगभग 100 से अधिक वर्षों से है।

एएसआई के बारे में:

- संस्कृति मंत्रालय का भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) पुरातात्विक अध्ययन करने और देश की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए अग्रणी एजेंसी है।
- कार्य: एएसआई का मुख्य फोकस ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण प्राचीन स्मारकों, पुरातात्विक स्थलों और अवशेषों का संरक्षण है। इसके अलावा, यह प्राचीन स्मारकों और पुरातत्व स्थलों और अवशेष अधिनियम की 1958 की आवश्यकताओं को लागू करता है, जो राष्ट्र में सभी पुरातात्विक गतिविधियों को नियंत्रित करता है। 1972 का पुरावशेष और कला खजाना अधिनियम भी इसके द्वारा शासित है।
- भारत के पुराने भवन इतिहास को खोदने और संरक्षित करने के लिए, अलेक्जेंडर कनिंघम ने भारत के पहले पुरातत्व सर्वेक्षक (एएसआई) के रूप में कार्य किया, जिसे 1861 में कैनिंग द्वारा कानून में हस्ताक्षरित एक कानून द्वारा स्थापित किया गया था।

- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण राष्ट्रीय महत्व (एएसआई) के स्मारकों को नामित करने के लिए नोडल एजेंसी है।
- राष्ट्रीय स्मारक क्या है? प्राचीन स्मारक और पुरातत्व स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958, "प्राचीन स्मारक" को परिभाषित करता है। अधिनियम के अनुसार, एक प्राचीन स्मारक कोई भी इमारत, स्मारक, गुफा, राँक कला या शिलालेख है जिसका ऐतिहासिक या पुरातात्विक महत्व है। इसके अतिरिक्त, एक प्राचीन स्मारक कम से कम 100 वर्षों से अस्तित्व में रहा होगा।
- राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों को केंद्र सरकार द्वारा संरक्षित, संरक्षित और प्रचारित किया जाना है।
- साइटें: भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण वर्तमान में देश भर में 3,691 स्मारकों (एएसआई) की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है। उत्तर प्रदेश में उनमें से सबसे अधिक थे, उसके बाद कर्नाटक और तमिलनाडु थे।

• स्रोत→ इंडियन एक्सप्रेस



2. - राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम का विवरण:

जीएस II

विषय→सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप

2013 राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए):

- लक्ष्य: यह सुनिश्चित करने के लिए कि लोगों को पर्याप्त मात्रा में पर्याप्त मात्रा में अच्छा भोजन उपलब्ध हो, जिससे वे अपने पूरे जीवन चक्र में सम्मानपूर्वक रह सकें।
- ग्रामीण आबादी का 75% और शहरी आबादी का 50% तक लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली द्वारा कवर किया जाता है, जो सब्सिडी वाले खाद्यान्न (टीपीडीएस) प्रदान करता है।
- एनएफएसए समग्र रूप से पूरी आबादी के 67% की सेवा करता है।

पात्रता:

- राज्य सरकार के नियमों के अनुसार परिवारों के लिए प्राथमिकता टीपीडीएस कवरेज आवश्यक है।
- जिन परिवारों को वर्तमान अंत्योदय अन्न योजना द्वारा सब्सिडी दी जाती है।
- प्रावधान:
- एक व्यक्ति को प्रति माह 5 किलो भोजन की कीमत रु. 3/2/1 प्रति किलो चावल, गेहूं, या मोटे अनाज।
- प्रत्येक मौजूदा एएवाई होम को हर महीने 35 किलोग्राम खाद्यान्न दिया जाता रहेगा।

- गर्भवती माताओं और दूध पिलाने वाली माताओं के लिए भोजन और मातृत्व लाभ जो कुल कम से कम रु. गर्भावस्था के दौरान 6,000 और बच्चे के जन्म के बाद पहले छह महीने।
- 14 वर्ष की आयु तक के युवाओं के लिए भोजन।
- लाभार्थियों को खाद्य सुरक्षा वजीफा प्राप्त होता है यदि उनके भोजन या खाद्यान्न को आवश्यकतानुसार प्रदान नहीं किया जाता है।
- शिकायतों से निपटने के लिए राज्य और जिला स्तर के चैनल बनाना।

लाभार्थियों की संख्या:

- अब तक, यहाँ 9.01 करोड़ लोग, या लगभग 2.37 करोड़ परिवार अंत्योदय अन्न योजना में भाग ले रहे थे।
- जबकि प्राथमिकता वाले परिवारों में लगभग 70.35 करोड़ लोग शामिल हैं।
- नीति आयोग की सिफारिशें महत्वपूर्ण हैं क्योंकि:
- कवर किए गए व्यक्तियों की कुल संख्या मौजूदा 81.35 करोड़ से बढ़कर 89.52 करोड़ हो जाएगी, 8.17 करोड़ की वृद्धि, यदि ग्रामीण-शहरी कवरेज अनुपात समान रहता है (कुल जनसंख्या का 67%) (अनुमानित 2020 जनसंख्या के आधार पर)।
- इसके परिणामस्वरूप रुपये की सब्सिडी की मांग में वृद्धि होगी। 14,800 करोड़।
- केंद्र रुपये तक बचा सकता है। 47,229 करोड़ अगर राष्ट्रीय कवरेज अनुपात को कम करना था।
- सरकार इस बचत राशि का उपयोग स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों के समाधान के लिए कर सकती है।



चाल के साथ समस्याएं:

- कोविड -19 महामारी के दौरान समाज के वंचित वर्ग को खाद्य असुरक्षा और बेरोजगारी दोनों का बोझ उठाना पड़ेगा।
- कुछ राज्य इस कदम के खिलाफ हो सकते हैं।
- अन्य सुझाव:
- शांता कुमार की एचएलसी (उच्च स्तरीय समिति) ने कवरेज अनुपात को 67 प्रतिशत से घटाकर 40 प्रतिशत करने का सुझाव दिया था।
- इसमें कहा गया है कि 67% आबादी की कवरेज दर अत्यधिक है और इसे लगभग 40% तक कम किया जाना चाहिए, जिसमें आराम से बीपीएल परिवार और अन्य लोग शामिल होंगे जो इससे भी अधिक कमाते हैं।
- केंद्रीय पूल से जारी खाद्यान्न के केंद्रीय निर्गम मूल्य (सीआईपी), जो कई वर्षों से स्थिर हैं, को आर्थिक सर्वेक्षण- 2020-21 में समायोजन के लिए सुझाव दिया गया है।
- स्रोत→ हिन्दू

GURU DEEKSHAA IAS



3. - जी 20 के बारे में:

जीएस II

विषय→अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

के बारे में:

- G20 19 देशों, यूरोपीय संघ और विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के अधिकारियों का एक ढीला गठबंधन है।
- दुनिया की सबसे बड़ी उन्नत और उभरती हुई अर्थव्यवस्थाएँ G20 सदस्यता बनाती हैं, जो सामूहिक रूप से वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 80%, वैश्विक वाणिज्य का 75% और वैश्विक जनसंख्या का 60% हिस्सा है।

G20 की शुरुआत कैसे हुई?

- यह मंत्रिस्तरीय बैठक 1997-1999 एशियाई वित्तीय संकट पर चर्चा करने के लिए विकसित और विकासशील दोनों देशों को आमंत्रित करने वाले G7 के परिणामस्वरूप बनाई गई थी। केंद्रीय बैंक के गवर्नरों और वित्त मंत्रियों के बीच पहली बार बैठक 1999 में शुरू हुई थी।
- विश्व ने 2008 के वित्तीय संकट के दौरान उच्चतम राजनीतिक स्तर पर नई आम सहमति बनाने की आवश्यकता को पहचाना। G20 नेता अब साल में एक बार मिलेंगे, यह निर्धारित किया गया था।

- इन शिखर सम्मेलनों की तैयारी में मदद करने के लिए G20 के वित्त मंत्री और केंद्रीय बैंक के गवर्नर साल में दो बार अलग-अलग मिलते रहते हैं। वे विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ एक साथ मिलते हैं।

G20 कैसे काम करता है?

G20 के कार्य के लिए दो ट्रैक हैं:

- G20 केंद्रीय बैंक के गवर्नरों और उनके कर्तव्यों के साथ सभी बातचीत वित्त ट्रैक का हिस्सा हैं। वे पूरे वर्ष में अक्सर मिलते हैं और धन और वित्त, वित्तीय नियमों आदि से संबंधित मामलों पर ध्यान केंद्रित करते हैं।
- राजनीतिक भागीदारी, भ्रष्टाचार विरोधी, विकास, ऊर्जा आदि सहित व्यापक विषय शेरपा ट्रैक के विषय हैं।
- प्रत्येक G20 राष्ट्र का प्रतिनिधित्व एक शेरपा द्वारा किया जाता है, जो देश के नेता की ओर से योजना बनाने, निर्देशित करने, लागू करने आदि के लिए कार्य करता है। (श्री शक्तिकांत दास, एक भारतीय शेरपा, 2018 में अर्जेंटीना में G20 में भाग लिया)

G20 के सदस्य कौन हैं?

- अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, इटली, जापान, कोरिया, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य और यूरोपीय संघ इसके अन्य सदस्य हैं। जी20.



- स्पेन एक स्थायी, गैर-सदस्य आमंत्रित व्यक्ति के रूप में नेता शिखर सम्मेलन में भाग लेता है।

G20 की संरचना और कार्य क्या हैं?

- एक संरचना जो सालाना G20 प्रेसीडेंसी को घुमाती है, समय के साथ एक क्षेत्रीय संतुलन प्रदान करती है।
- राष्ट्रपति पद के चुनाव के उद्देश्य से 19 राष्ट्रों को 5 समूहों में विभाजित किया गया है, जिनमें से प्रत्येक में अधिकतम 4 राष्ट्र हैं। प्रत्येक समूह के बीच, प्रेसीडेंसी बारी-बारी से होती है। G20 प्रत्येक वर्ष राष्ट्रपति के रूप में सेवा करने के लिए दूसरे समूह से एक राष्ट्र का चुनाव करता है।
- रूस, दक्षिण अफ्रीका और तुर्की के साथ भारत ग्रुप 2 में है।
- G20 का कोई निश्चित सचिवालय या मुख्यालय नहीं है। इसके बजाय, यह G20 अध्यक्ष की जिम्मेदारी है कि वह अन्य प्रतिभागियों के साथ परामर्श करने और वैश्विक अर्थव्यवस्था में बदलाव की प्रतिक्रिया के बाद G20 एजेंडा को एक साथ रखे।
- ट्रोइका: जब कोई नया राष्ट्र हर साल राष्ट्रपति पद ग्रहण करता है, तो वह निवर्तमान और आने वाले प्रशासन के साथ सहयोग करता है। इस प्रक्रिया को ट्रोइका कहा जाता है। यह समूह के एजेंडे की स्थिरता और निरंतरता की गारंटी देता है।

G20 के आंतरिक और बाह्य सहयोग के बारे में क्या?

- नेताओं ने इसे 2010 में टोरंटो में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सहयोग के लिए बेहतरीन बैठक के रूप में घोषित किया।
- कई अंतरराष्ट्रीय संगठन G20 सदस्यों के काम का समर्थन करते हैं।

- G20 अक्सर गैर-सरकारी संगठनों के साथ बातचीत करता है। पूरे वर्ष, व्यवसाय (B20), नागरिक समाज (C20), श्रम (L20), थिंक टैंक (T20), और युवा (Y20) से जुड़ाव समूहों द्वारा प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिसके परिणाम G20 नेताओं को सूचित करेंगे। ' चर्चाएँ।

G20 किस प्रकार के मुद्दों को संबोधित करता है?

- G20 वैश्विक चिंताओं की एक विस्तृत श्रृंखला पर केंद्रित है; जबकि वैश्विक अर्थव्यवस्था से संबंधित मुद्दे एजेंडे में प्रमुख हैं, हाल ही में अन्य मदों ने महत्व प्राप्त किया है, जिनमें शामिल हैं:
- मौद्रिक बाजार
- राजकोषीय और कर नीति
- व्यापार
- कृषि
- रोज़गार
- ऊर्जा
- भ्रष्टाचार का मुकाबला
- कार्यबल में महिलाओं की उन्नति
- सतत विकास के लिए 30 वर्षीय योजना
- जलवायु परिवर्तन
- विश्व स्वास्थ्य
- आतंकवाद विरोधी
- उद्यमिता जो समावेशी है



G20 की ताकत और उपलब्धियां क्या हैं?

- केवल 20 सदस्यों के साथ, G20 इतना छोटा है कि तेजी से कार्य कर सकता है और बदलती परिस्थितियों में समायोजित हो सकता है।
- समावेशी: आमंत्रित राष्ट्रों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और नागरिक समाज समूहों को हर साल सगाई समूहों के माध्यम से शामिल करके, दुनिया की समस्याओं का मूल्यांकन करते समय और उन्हें हल करने के तरीके पर आम सहमति बनाने के लिए एक बड़ा और अधिक गहन दृष्टिकोण सक्षम किया जाता है।
- सहयोग: जी-20 क्रॉस-नेशनल समन्वय में सुधार और वैश्विक वित्तीय नियामक ढांचे को मजबूत करने में सहायक रहा है।
- ऐसे समय में जब निजी क्षेत्र के वित्त पोषण के स्रोतों में गिरावट आ रही थी, बहुपक्षीय विकास बैंकों को 235 बिलियन अमेरिकी डॉलर का ऋण देने में मदद मिली।
- G20 की प्रमुख उपलब्धियों में से एक 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान आपातकालीन निधियों का त्वरित वितरण था।
- राष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों की निगरानी बढ़ाकर, यह अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों में सुधारों में भी योगदान देता है। उदाहरण के लिए, बेस इरोशन एंड प्रॉफिट शिफ्टिंग (बीईपीएस) परियोजना, जिसे जी20 और ओईसीडी चला रहे हैं, और कर पारदर्शिता मानदंडों को अपनाना।
- विश्व व्यापार संगठन का अनुमान है कि यदि व्यापार सुविधा समझौता 2030 तक पूरी तरह से लागू हो जाता है, तो यह वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में 5.4 और 8.7% के बीच योगदान कर सकता है, इसलिए G20 इसकी पुष्टि करने में महत्वपूर्ण था।

- बेहतर संचार: G20 बहस के माध्यम से निर्णय लेने में आम सहमति और तर्क को बढ़ावा देने के लिए दुनिया के अग्रणी औद्योगिक और विकासशील देशों को एक साथ लाता है।
- नवंबर 2021 में G20 शिखर सम्मेलन में नेताओं ने सदी के मध्य तक या उसके आसपास कार्बन तटस्थता हासिल करने पर सहमति व्यक्त की।
- G20 जलवायु जोखिम एटलस, जो पूरे G20 देशों में जलवायु परिदृश्य, सूचना, डेटा और पूर्वानुमानित जलवायु परिवर्तन प्रदान करता है, पहले प्रकाशित किया गया था।

G20 को किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है?

- कोई प्रवर्तन तंत्र नहीं: G20 के टूलकिट में सीधे सूचनाओं का आदान-प्रदान और सर्वोत्तम अभ्यास, साथ ही साझा, मात्रात्मक लक्ष्यों और समन्वित कार्रवाई पर समझौते शामिल हैं। सहकर्मी समीक्षा और सार्वजनिक जवाबदेही द्वारा प्रदान की गई प्रेरणा को छोड़कर, इनमें से कोई भी सर्वसम्मति के बिना पूरा नहीं होता है और इसे लागू नहीं किया जा सकता है।
- निर्णय कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं हैं क्योंकि वे चर्चाओं और आम सहमति का परिणाम हैं जो बयानों का रूप लेते हैं। ये कथन संविदात्मक दायित्व नहीं हैं। इस सलाहकार या सलाहकार समूह में सिर्फ 20 लोग हैं।
- हितों का ध्रुवीकरण: रूस और यूक्रेन के राष्ट्रपतियों को G20 शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया गया है, जो नवंबर 2022 में होगा।



- संयुक्त राज्य अमेरिका ने पहले ही रूसी राष्ट्रपति के भाषण का बहिष्कार करने की धमकी दी है यदि उन्हें आमंत्रित किया जाता है।
- नाटो का विस्तार, चीन का रणनीतिक विकास और क्रीमिया में रूस की क्षेत्रीय आक्रामकता और अब रूस यूक्रेन संघर्ष के कारण 2022 में वैश्विक प्राथमिकताएं बदल गईं।
- जैसा कि अधिक राष्ट्र जी -7, जी -20, ब्रिक्स, पी -5 (यूएनएससी स्थायी सदस्य) पर "जी-जीरो" (राजनीतिक पंडित इयान ब्रेमर द्वारा "एवरी नेशन फॉर इट्ससेल्फ" के लिए लोकप्रिय एक वाक्यांश) का चयन करते हैं। और अन्य बहुपक्षीय संगठन, वैश्वीकरण अब एक हिप अवधारणा नहीं है।
- भारत को 2023 में जी20 शिखर सम्मेलन का उपयोग कठोर व्यापार प्रतिबंधों और दंड, अंतर्राष्ट्रीय विवादों जैसे मुद्दों पर बहस करने और विश्व शांति और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।
- स्रोत→ इंडियन एक्सप्रेस

आगे का रास्ता:

- G20 दुनिया के सभी मुद्दों को हल नहीं कर सकता है। हालाँकि, G20 ने पिछले दस वर्षों में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- जैसे-जैसे उभरते हुए राष्ट्र विश्व व्यवस्था को प्रभावित करने और योगदान करने के तरीकों की तलाश कर रहे हैं, प्रभावी वैश्विक शासन, जैसे G20, महत्वपूर्ण है।
- G20 को IMF, OECD, WHO, World Bank और WTO सहित अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ अपने सहयोग को मजबूत करना चाहिए और उन्हें विकास पर नज़र रखने की जिम्मेदारी देनी चाहिए।
- सभी सदस्य देशों के लाभ के लिए वैश्विक सहयोग को राष्ट्रीय हितों से ऊपर रखना चाहिए।
- यूक्रेन-रूस संघर्ष और रूस और पश्चिम के बीच असहमति जैसी स्थितियों को दूर करने के लिए संवाद और कूटनीति का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।



4. - यक्षगान का विवरण:

प्रीलिम्स विशिष्ट विषय

- यक्षगान एक प्रकार का कर्नाटक पारंपरिक रंगमंच है।
- यह एक प्रकार की मंदिर कलाकृति है जो मिथकों और पुराणों को दर्शाती है।
- पूरे प्रदर्शन के दौरान बड़े पैमाने पर टोपी, जटिल चेहरे का श्रृंगार, और ज्वलंत वेशभूषा और सहायक उपकरण का उपयोग किया जाता है।
- यह आमतौर पर कन्नड़ में सुनाई जाती है, हालांकि इसे तुलु और मलयालम (दक्षिण कर्नाटक की बोली) में भी गाया जाता है।
- इसे निष्पादित करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले टक्कर उपकरणों में चेंडा, मदालम, जगट्टा, चंगीला (झांझ), और चक्रताला या इलाथलम (छोटी झांझ) शामिल हैं।
- स्रोत → हिन्दू

GURU DEEKSHAA IAS



संपादकीय विश्लेषण

भारतीय सिविल सेवा की समस्याएं

1. सिविल सेवा सुधार:

भारतीय सिविल सेवा का विकास:

- कौटिल्य के अर्थशास्त्र में प्रशासनिक संरचना के सात महत्वपूर्ण घटक सूचीबद्ध हैं: शासक (स्वामी), नौकरशाही (अमात्य), क्षेत्र (जनपद), गढ़वाली राजधानी (दुर्गा), खजाना (कोसा), सेना (डंडा), और सहयोगी (मित्र)।
- अर्थशास्त्र के अनुसार, मन्त्रियों और अमात्यों ने वरिष्ठ नौकरशाही का गठन किया। उनके सबसे भरोसेमंद सलाहकार मंत्री थे, और शाही प्रशासक अमात्य थे।
- मध्यकालीन समय अवधि: मनसबदारी प्रणाली ने मुगल काल के दौरान सरकार की नींव के रूप में कार्य किया।
- सरकारी कर्मचारियों का एक पूल, जिनका उपयोग नागरिक या सैन्य लक्ष्यों के लिए किया जा सकता था, ने मनसबदारी प्रणाली बनाई।
- 1835 में मैकाले की रिपोर्ट को मंजूरी मिलने के बाद, ब्रिटिश भारत में सिविल सेवाओं में महत्वपूर्ण सुधार हुए।
- ब्रिटिश साम्राज्य के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए, मैकाले रिपोर्ट ने सलाह दी कि भारतीय सिविल सेवा के लिए केवल सबसे योग्य उम्मीदवारों को ही चुना जाए।
- ब्रिटिश सार्वजनिक सेवा प्रणाली के ब्रिटिश तत्व स्वतंत्रता के बाद भारतीय सार्वजनिक सेवा प्रणाली में बने रहे, जिसमें एक समान प्रशासनिक संरचना, शैक्षणिक उपलब्धि पर आधारित एक खुली प्रवेश प्रणाली और स्थायी कार्यकाल शामिल था।

- सिविल सेवकों को लचीला होना चाहिए क्योंकि वे जनता का प्रतिनिधित्व करते हैं। लेकिन अनुसंधान ने लगातार दिखाया है कि लोग परिवर्तन से लड़ते हैं क्योंकि वे अपने लाभों और अवसरों पर केंद्रित होते हैं, जिससे वे अपने आप में लक्ष्य बन जाते हैं।
- उदाहरण के लिए, संविधान में 73वें और 74वें संशोधनों ने समाज को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया है। चाहे शहरी हो या ग्रामीण समुदायों में, स्थानीय सरकारें अब स्वशासी संस्थाएँ हैं।
- सरकारी अधिकारियों के निरीक्षण और जवाबदेही की नई प्रणालियों के प्रतिरोध के साथ-साथ उनकी बदलती भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के कारण, प्रत्याशित दृष्टि अभी तक साकार नहीं हुई है।

नियामक नौकरशाही:

- जब हमने कहा कि इसमें आम जनता की आवश्यकताओं को ध्यान में रखे बिना लिखित नियमों और कानूनों का पालन करना शामिल है, तो हमारा प्रभावी रूप से नियम-पुस्तक नौकरशाही से मतलब था।
- कुछ सरकारी कर्मचारी नियम-पुस्तक नौकरशाही के कारण "नौकरशाही व्यवहार" में संलग्न होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप लालफीताशाही, जटिल प्रक्रियाएँ, और संगठन जो जनता की मांगों को पूरा करने के लिए "नौकरशाही" जैसी समस्याएँ पैदा करते हैं।
- राजनीतिक हस्तक्षेप: स्थानीय सरकारी कर्मचारी अक्सर राजनीतिक प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करते हैं। सामाजिक विकास, कल्याण, कल्याण और शांति को बढ़ावा देकर, इन दोनों को व्यापक जनता के हितों को बढ़ाना चाहिए।



- राजनीतिक प्रतिनिधि प्रभावित करता है कि प्रशासनिक कर्मचारी जनता की मांग को पूरा करने के लिए कैसे कार्य करते हैं। नतीजतन, एक प्रशासनिक अधिकारी को राजनीतिक गुरु के आदेशों का पालन करना चाहिए।
- यह हस्तक्षेप कभी-कभी भ्रष्टाचार और योग्य सरकारी कर्मचारियों के मनमाने स्थानान्तरण जैसी समस्याओं का परिणाम हो सकता है। सबसे योग्य अधिकारियों के पास सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां नहीं होने के परिणामस्वरूप संगठन महत्वपूर्ण अक्षमताओं का अनुभव करने का खतरा चलाता है।
- संरचना से संबंधित मुद्दे: सिविल सेवा ने कई संरचनात्मक समस्याओं का अनुभव किया है।
- विशिष्ट अधिकारी: कानून के शासन को बनाए रखने और कार्यकारी निर्देशों को लागू करने सहित राज्य के मुख्य कर्तव्यों को पूरा करने के लिए सिविल सेवा काफी हद तक जिम्मेदार है।
- लेकिन वैश्वीकरण और आर्थिक सुधारों द्वारा लाए गए स्थानान्तरण की जरूरतों के परिणामस्वरूप राज्य का कार्य बदल गया है।
- नतीजतन, तकनीकी प्रगति ने नई बाधाओं को जन्म दिया है (उदाहरण के लिए साइबर सुरक्षा)। इसलिए, नीति स्तर पर विषय-वस्तु विशेषज्ञता वाले विशेष अधिकारियों की आवश्यकता अधिक होती है।
- कुछ चिंताओं को संबोधित करने की आवश्यकता है जिसमें यह सुनिश्चित करना शामिल है कि जवाबदेही और पारदर्शिता के साथ-साथ समावेशी और प्रतिनिधि निर्णय लेना है।
- कुछ सरकारी सेवाओं में बहुत अधिक रोजगार रिक्तियां होती हैं, जबकि अन्य में कुछ ही रिक्तियां होती हैं।

क्या किये जाने की आवश्यकता है:

- इन सीमाओं को कम करने के लिए शासन, प्रशिक्षण और मूल्यांकन क्षेत्रों में हस्तक्षेप किया जा सकता है।

भर्ती:

- संघीय और राज्य स्तरों पर प्रदान की जाने वाली 60 से अधिक विभिन्न सरकारी सेवाओं को युक्तिसंगत और सुसंगत बनाना आवश्यक है।
- उम्मीदवारों को एक केंद्रीय प्रतिभा पूल में जोड़ा जाना चाहिए, जो बाद में उन्हें इस आधार पर आवंटित करेगा कि उनकी साख स्थिति की आवश्यकताओं से कितनी अच्छी तरह मेल खाती है।
- पार्श्व प्रवेश को प्रोत्साहित करें: यदि विशेषज्ञों को काम पर रखा जाता है, तो वे सरकार के उच्च स्तर को वह अनुभव देंगे जिसकी उनके पास कमी है।
- सेवाओं का वितरण आउटसोर्स किया जाता है: प्रशासनिक बुनियादी ढांचे पर निर्भरता कम करने के लिए, सेवा वितरण आउटसोर्सिंग उपायों को लागू किया जाना चाहिए। इष्टतम आउटसोर्सिंग रणनीति निर्धारित करने के लिए आउटसोर्सिंग के लिए संभावित सेवाओं की पहचान करने के लिए अनुसंधान की आवश्यकता है। कई पीपीपी मॉडलों की जांच की जानी चाहिए।

प्रशिक्षण:

- चल रहे प्रशिक्षण और विसर्जन कार्यक्रमों के लिए जिला-दर-जिला योजना आवश्यक है।
- आचार संहिता को लागू करके, नागरिक अधिकारियों के बीच नैतिक आदर्शों को स्थापित करना महत्वपूर्ण है।



- व्यक्तियों का आकलन करने और भविष्य के कार्यों का चयन करने के लिए, मध्य-कैरियर परीक्षा और कौशल मूल्यांकन आयोजित किए जा सकते हैं।

मूल्यांकन:

- लोक सेवकों का आकलन करने के लिए, संस्थागत लक्ष्यों को परिभाषित किया जाना चाहिए और उन्हें लगातार ट्रैक किया जाना चाहिए। विवेकाधीन चरों को धीरे-धीरे कम किया जाना चाहिए, और प्रमुख जिम्मेदारी/फोकस क्षेत्रों को परिभाषित किया जाना चाहिए।
- सभी संघीय और राज्य संवर्गों को ऑनलाइन स्मार्ट प्रदर्शन मूल्यांकन रिपोर्ट रिकॉर्डिंग ऑनलाइन विंडो (स्पैरो) टेम्पलेट को अपनाना चाहिए।
- जो अधिकारी अप्रभावी होते हैं उन्हें स्वेच्छा से इस्तीफा देना चाहिए: अधिकारियों के लिए प्रदर्शन मानकों की स्थापना करें, और जो लोग मानकों को पूरा करने में असमर्थ पाए जाते हैं उन्हें सेवानिवृत्त होने के लिए मजबूर करें।
- असाधारण प्रदर्शन को पहचानने के लिए, वर्तमान प्रोत्साहन कार्यक्रमों का मूल्यांकन करें और नए लागू करें।

ई-पहल:

- एक मजबूत सतर्क तंत्र बनाने के लिए संस्थागत भ्रष्टाचार का पता लगाने और रोकथाम प्रक्रियाओं को सुदृढ़ किया जाना चाहिए। परिणामस्वरूप वर्तमान सुरक्षा उपायों का आकलन करना महत्वपूर्ण है।
- केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली के कार्यान्वयन को सुदृढ़ करना आवश्यक है (CPGRAMs)।

- ई-ऑफिस की शुरुआत: सभी मंत्रालयों, विभागों और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को अभी ई-ऑफिस को अपनाने के लिए दृढ़ता से प्रोत्साहित किया जा सकता है।
- त्वरित सेवा वितरण: प्रत्येक विभाग को प्रशासनिक देरी को कम करने के लिए अपनी प्रक्रियाओं को अनुकूलित करने का प्रयास करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सक्रिय ग्राहक प्रतिक्रिया के लिए चैनल उपलब्ध हैं।



2. भारत का तापीय विद्युत क्षेत्र:

भारत में ऊर्जा क्षेत्र के संबंध में:

- बुनियादी ढांचे के सबसे महत्वपूर्ण घटकों में से एक, बिजली, संपूर्ण अर्थव्यवस्था के स्वास्थ्य और विकास के लिए महत्वपूर्ण है।
- भारत की अर्थव्यवस्था के निरंतर विकास के लिए पर्याप्त मौजूदा और नई विद्युत अवसंरचना होनी चाहिए।
- दुनिया में सबसे विविध विद्युत उद्योगों में से एक भारत में पाया जाता है।

ऊर्जा स्रोतों:

- भरोसेमंद पारंपरिक स्रोतों जैसे कोयला, लिग्नाइट, प्राकृतिक गैस, तेल, जल विद्युत और परमाणु ऊर्जा से लेकर भरोसेमंद गैर-पारंपरिक स्रोतों जैसे पवन, सौर और घरेलू और कृषि अपशिष्ट तक।
- एक मूलभूत परिवर्तन हुआ है जिसने भारतीय विद्युत उद्योग के दृष्टिकोण को बदल दिया है।
- भारत की अर्थव्यवस्था अभी भी विस्तार कर रही है, जिससे देश में बिजली की मांग बढ़ रही है।

समस्याएं और बाधाएं:

- बिजली के उपयोग में देश की वार्षिक वृद्धि अप्रैल 2022 में 13.6% बढ़कर 132.98 बिलियन यूनिट हो गई। (बीयू)।
- COVID-19 आर्थिक उछाल के बाद बढ़ी बिजली की मांग, गर्मियों की शुरुआत, गैस और आयातित कोयले की कीमत में वृद्धि, और तटीय ताप विद्युत संयंत्रों द्वारा

बिजली उत्पादन में तेज गिरावट सहित कई कारक हैं। , बिजली संयंत्रों में कम कोयला भंडार में योगदान करते हैं।

- बिजली संयंत्रों में कोयले के स्टॉक में गिरावट के दो बुनियादी कारक हैं।
- यूक्रेनी संघर्ष के परिणामस्वरूप वैश्विक बाजार में कोयले की कीमत में वृद्धि के कारण, कोयले का आयात करने वाले सभी बिजली संयंत्रों ने या तो पूरी तरह से उत्पादन बंद कर दिया है या काफी कम दरों पर उत्पादन कर रहे हैं।
- इससे भी बुरी बात यह है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस की ऊंची कीमतों के परिणामस्वरूप गैस आधारित संयंत्रों से उत्पादन में कमी आई है।
- अत्यधिक गर्मी के कारण जलाशय सूख रहे हैं, जिससे जल विद्युत उत्पादन प्रभावित होगा।
- भारतीय रेलवे को परिवहन की समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

सरकारी पहल:

- दीर्घकालिक औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए, भारत सरकार ने बिजली उद्योग को एकाग्रता के एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में चुना है। सरकार ने भारतीय विद्युत उद्योग की सहायता के लिए निम्नलिखित कार्यक्रम लागू किए हैं:
- सरकार ने घरेलू कोयले की मांग को कम करने के लिए बिजली कंपनियों से सम्मिश्रण के लिए कोयले का आयात करने का आग्रह किया है।
- कई राज्यों द्वारा रिपोर्ट किए गए बड़े पैमाने पर बिजली आउटेज के जवाब में भारतीय रेलवे को बिजली संयंत्रों को कोयले की डिलीवरी में तेजी लाने के लिए 42 यात्री ट्रेनों को रद्द करना पड़ा।



- विद्युत मंत्रालय ने कैप्टिव खदानों में अधिकतम कोयला उत्पादन, गैर-विद्युत क्षेत्रों के लिए कोयला राशनिंग और एक्सचेंजों पर बिजली के कारोबार पर 12 रुपये प्रति यूनिट की कीमत सीमा सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए।
- पावरथॉन-2022, पुनर्निर्माण वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के लक्ष्यों के अनुरूप है, जिसकी घोषणा विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा की गई थी।
- केंद्रीय बजट 2022-2023 में, सरकार ने सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड जारी करने के साथ-साथ ऊर्जा भंडारण प्रगति, जैसे कि ग्रिड-स्केल बैटरी सिस्टम, को बुनियादी ढांचे के रूप में नामित करने की घोषणा की।
- 2022-2023 के केंद्रीय बजट में, सरकार ने रु। उच्च दक्षता वाले सौर मॉड्यूल के विकास को प्रोत्साहित करने के लिए पीएलआई योजना के लिए 19,500 करोड़ (यूएस \$ 2.57 बिलियन)।
- एकीकृत बिजली विकास योजना, दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना और उज्ज्वल डिस्कॉम एश्योरेंस योजना (आईपीडीएस) जैसी पहलों के कारण अधिक से अधिक देश को बिजली मिल रही है।
- भारत ने ऊर्जा और जल सुरक्षा बढ़ाने, कृषि क्षेत्र को डी-डीजलाइज़ करने और सौर बिजली के उत्पादन के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रधान मंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा और उत्थान महाभियान (पीएम-कुसुम) योजना बनाई।
- बिजली की देश की बढ़ती हुई आवश्यकता को पूरा करने के लिए, स्थापित उत्पादन क्षमता के बड़े पैमाने पर विस्तार की आवश्यकता है।
- यह सुनिश्चित करने के लिए एक सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र बनाएं कि बिजली संयंत्र कुशलता से चलें।
- ईंधन आवंटन पर पुनर्विचार करके और कुशल सुविधाओं के प्राथमिकता प्रेषण को प्रोत्साहित करके, भारत अपनी वार्षिक आवश्यकता के 6% तक कोयले की आवश्यकता को कम करने में सक्षम हो सकता है और कहावत "बरसात के दिन" के लिए अधिक कोयले का संरक्षण कर सकता है।
- डिस्कॉम को मांग को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाने चाहिए।
- समय-समय पर मूल्य निर्धारण को लागू करना और उचित उपभोग की आदतों को बढ़ावा देना चरम मांग को कम कर सकता है और बाजार में घबराहट को रोक सकता है।
- डिस्कॉम घाटे में कटौती करने के लिए, विद्युत नियामकों की उत्पादन शक्ति को बढ़ावा देना।
- एक महत्वपूर्ण संकेतक के रूप में लागत वसूली को बनाए रखने और विद्युत क्षेत्र की आपूर्ति श्रृंखला में भुगतान अनुशासन को बढ़ावा देने के लिए स्मार्ट मीटर, नेटवर्क अपग्रेड और नियामक सशक्तिकरण को अपनाने जैसी निरंतर पहल आवश्यक हैं।

कैसे जारी रखें:

- देश में बिजली की जरूरत काफी बढ़ गई है, और आने वाले वर्षों में भी ऐसा ही जारी रहने की उम्मीद है।

Guru Deekshaa IAS is happy to announce first ever kannada current affairs magazine for kannada medium aspirants of Karnataka. The three important thumb rules for any competitive exam are



Vijay Kumar G

Founder and Director
Guru Deekshaa IAS

- ✍ First-NCERT/STATE syllabus books which helps to develop your understanding on the subjects
- ✍ Second-Daily current affairs helped to build your further understanding of the events related to your examination, Apart from knowledge it build the personality of an individual which brings in confidence to face any examination.
- ✍ Third-Practice previous year question papers and mock test available in the market to train your mind as per the requirement of the examination.

Thousand miles of journey starts with single step, We at Guru Deekshaa have taken this first step towards empowering you to prepare for civil for services. Now its your turn to start preparation and achieve your dream of becoming IAS/IPS.

CALL US FOR MORE DETAILS

 **76 76 74 98 77**

JOIN OFFICIAL TELEGRAM FOR MATERIAL AND UPDATES

 @GURU_DEEKSHAAIAS



FOLLOW OUR INSTAGRAM FOR DAILY UPDATES

 GURUDEEKSHAA

